ज्ञान दर्पन

त्रैमासिक पत्रिका

जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक

- रा.र.वि.प्र.अ./क्षे.प्र.के. पुणे में आयोजित तिमाही का महत्वपूर्ण घटनाएँ
- रा.र.वि.प्र.अ./क्षे.प्र.के. पुणे में तिमाही में आयोजित किया गया प्रशिक्षण
- रा.र.वि.प्र.अ./क्षे.प्र.के. पुणे के अधिकारी एवं कर्मचारी गण के रचनाएँ

राष्ट्रीय रक्षा वित्तीय प्रबंधन अकादमी
एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र ,
गोलीबार मैदान पुणे— 411 001

निदेशक के डेस्क से

मैं त्रैमासिक पत्रिका 'ज्ञान दर्पण' के पहले संस्करण के प्रकाशन के लिए संपादकीय टीम को बधाई देना चाहता हूं। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि यह पत्रिका तिमाही के दौरान आयोजित सभी गतिविधियों और आयोजित पाठ्यक्रमों को तस्वीरों के साथ दर्शाने का प्रयास सराहनीय है। मुझे यकीन है कि यह NADFM की सभी गतिविधियों का एक बहुत अच्छा दस्तावेज है और यह भविष्य के संदर्भों के लिए भी उपयोगी होगा।

मैं NADFM के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं जिन्होंने पत्रिका में शामिल करने के लिए लेखों का योगदान दिया |

मैं टीम को लगातार प्रयास के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

शुभकामना सहित |

27-11-2020

मिहिर कुमार , भा र ले से

निदेशक

संरक्षक

श्री. मिहिर कुमार , भा.र.ले.से.,

रक्षा लेखा नियंत्रक एवं निदेशक

संपादक

श्री. सुरेष कुमार मेनोन के.,

व.ले.अ.

सहायक संपादक

श्रीमती. बबीता सिंग, ले. अ.

श्री . एम के झा , स . ले . अ .

श्री. मंतोश कुमार , व .ले . प .

संपादकीय

हम हिंदी में पहली त्रैमासिक पत्रिका 'ज्ञान दर्पन' प्रकाशित करके बहुत खुश हैं। तिमाही के लिए अकादमी में आयोजित सभी गतिविधियों और आयोजित पाठ्यक्रम तस्वीरों के साथ पत्रिका में शामिल हैं। NADFM के अधिकारियों और कर्मचारियों के रचनाओं का एक भाग भी शामिल किया है।

हिंदी में त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित करने के विचार के लिए हम निदेशक महोदय के आभारी हैं। हम संबंधित तस्वीरों को प्रदान करने के लिए श्री प्रदीप रिणवा के आभारी हैं। हम उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के भी आभारी हैं जिन्होंने पत्रिका के लिए लेखों का योगदान दिया।

अनुक्रमणिका

क्र॰सं॰	शीर्षक	पृष्ट संख्या
I	**रा.र.वि.प्र.अ./क्षे.प्र.के. पुणे में आयोजित तिमाही का महत्वपूर्ण घटनाएँ**	
	समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच	6 - 15
	स्वतंत्रता दिवस समारोह	16 - 17
	हिन्दी पखवाड़ा समारोह	18 - 22
II	**रा.र.वि.प्र.अ./क्षे.प्र.के. पुणे में तिमाही में आयोजित किया गया प्रशिक्षण**	
	विभागीय प्रशिक्षण—भा.र.ले.से. (प) 2019 बैच	24 - 25
	रा.र.वि.प्र.अ. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण	26
	क्षे.प्र.के. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण	26 - 27
III	**रा.र.वि.प्र.अ./क्षे.प्र.के. पुणे के अधिकारी एवं कर्मचारी गण की रचनाएँ**	
	लेख - iGOT 2.0	29
	कविता - यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!	30
	कविता—दिवाली	31
	कथा—रसगुल्ला	32
	लेख—भारत में हॉकी की स्थिति	33 - 34

तिमाही की महत्वपूर्ण घटनाएँ

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

अकादमी में 2018 बैच के भा.र.ले.से. अधिकारियों की विभागीय प्रशिक्षण की सर्वप्रथम ऑनलाइन समापन समारोह का आयोजन 10 जुलाई 2020 को किया गया था। समारोह के मुख्य अतिथि श्री संजीव मित्तल, रक्षा लेखा महानियंत्रक ने मुख्यालय कार्यालय से अपना सम्बोधन (अपना समापन भाषण) दिया। दिल्ली से जो अन्य अधिकारी भी इस समारोह में शामिल हुए वे थे श्री प्रवीण कुमार, वरिष्ठ संयुक्त रक्षा लेखा महानियंत्रक(प्रशा) और श्री के एस लाथर, संयुक्त रक्षा लेखा महानियंत्रक (मानव संशाधन विभाग)। COVID-19 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए समारोह में शामिल होने हेतु स्टेशन में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में से कुछ ही अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर 2018 बैच के भा.र.ले.से. अधिकारियों द्वारा प्रकाशित पत्रिका रेवेरी (REVERIE) का विमोचन किया गया। बहुमुखी प्रशंसनीय प्रदर्शन हेतु परिवीक्षाधीन अधिकारियों को राजेश सिंह पुरस्कार और प्रेम लाल पुरस्कार क्रमशः सुश्री आरती सी, भा.र.ले.से. और सुश्री काव्या तंगीराला, भा.र.ले.से. को प्रदान किया गया। सभी परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने अपनी प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक समाप्ति का प्रमाण-पत्र श्रीमति निरूपमा काजला, भा.र. ले.से., र.ले.प्र.नि.(अ.) से प्राप्त किया। समापन समारोह के बाद सभी परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने अपने तैनाती से संबन्धित कार्यालय के लिए प्रस्थान किया।

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

दीप प्रज्वलन

डॉ. निरुपमा काजला , भा.र.ले.से., प्रधान नियंत्रक , रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (अफसर), पुणे , श्री. मिहिर कुमार , भा.र.ले.से., रक्षा लेखा नियंत्रक एवं निदेशक ,राष्ट्रीय रक्षा वित्तीय प्रबंधन अकादमी एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र पुणे , डॉ . महेश सुरेश खुमकर ,भा.र.ले.से. , रक्षा लेखा अपर नियंत्रक , रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (दक्षिण कमान), पुणे , श्रीमती मित्तल सुधीर हिरेमथ, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (अफसर), पुणे और डॉ . दले महेश भागवत , भा.र.ले.से., संयुक्त निदेशक , राष्ट्रीय रक्षा वित्तीय प्रबंधन अकादमी , पुणे दीप प्रज्वलित करते हुए।

श्री. मिहिर कुमार , भा.र.ले.से., निदेशक, राष्ट्रीय रक्षा वित्तीय प्रबंधन अकादमी स्वागत संबोधन करते हुए ।

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों द्वारा

सुश्री आरती सी

श्री प्रेम कुमार एस

सुश्री सोनल

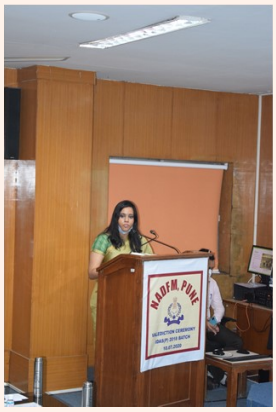
सुश्री काव्या तंगिराला

श्री बदिमे कृष्ण श्रीराम

श्री राहुल गौड़

श्री मंजीत सिंह साँख्ला

श्री पी. साईनाथ रेड्डी

श्री धनशेखर रतिनम

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

श्री संजीव मित्तल, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा महानियंत्रक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा समापन संबोधन करते हुए।

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

पुरस्कार वितरण

सुश्री आरती सी सराहनीय परिवीक्षाधीन के लिये राजेश सिंह पुरस्कार डॉ. निरुपमा काजला, भा.र.ले.से., प्रधान नियंत्रक, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (अफसर), पुणे से स्वीकृत करते हुए।

सुश्री काव्या तंगिराला ऑल राउंडर परिवीक्षाधीन के लिये प्रेम कुमार पुरस्कार डॉ. निरुपमा काजला, भा.र.ले.से., प्रधान नियंत्रक, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (अफसर), पुणे से स्वीकृत करते हुए।

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

प्रमाण-पत्र वितरण

भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक समाप्ति का प्रमाण-पत्र श्रीमति निरूपमा काजला, भा.र.ले.से., र.ले.प्र.नि.(अ.) से स्वीकृत करते हुए।

सुश्री काव्या तंगिराला

सुश्री सोनल

श्री पी साईनाथ रेड्डी

श्री राहुल गौड़

श्री बदिमे कृष्ण श्रीराम

श्री प्रेम कुमार एस

सुश्री आरती सी

श्री धनशेखर रतिनम

श्री मंजीत सिंह साँख्ला

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

'रेवरि ' पुस्तक विमोचन

डॉ दले महेश भागवत, भा.र.ले.से., संयुक्त निदेशक, श्री मिहिर कुमार, भा.र.ले.से., निदेशक, डॉ निरुपमा काजला, भा.र.ले.से., प्रधान नियंत्रक , श्री निरंजन कुमार, भा.र.ले.से., एकीकृत वित्तीय सलाहकार(द. क.), डॉ महेश सुरेश खुमकर, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा अपर नियंत्रक, श्रीमती मित्तल सुधीर हिरेमथ, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक

श्री मिहिर कुमार, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा नियंत्रक एवं निदेशक, डॉ निरुपमा काजला, भा.र.ले.से., प्रधान नियंत्रक को अकादमी स्मृति चिन्ह देते हुए

डॉ दले महेश भागवत, भा.र.ले.से., संयुक्त निदेशक धन्यवाद प्रस्ताव करते हुए

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

ग्रूप फ़ोटोग्राफ

भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन स्थानीय भा.र.ले.से. अधिकारियों के साथ

भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन स्थानीय भा.र.ले.से. अधिकारियों और रा.र.वि.प्र.अ. के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

कैंपस में पौधरोपन

डॉ निरुपमा काजला, भा.र.ले.से., प्रधान नियंत्रक, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (अफसर), पुणे अकादमी परिसर में पौधरोपण करते हुए।

भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन अकादमी परिसर में पौधरोपण करते हुए।

समापन समारोह - विभागीय प्रशिक्षण भा.र.ले.से. 2018 बैच

कैंपस में पौधरोपन

भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारी अकादमी परिसर में पौधरोपण करते हुए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह—15 अगस्त 2020

श्री मिहिर कुमार, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा नियंत्रक एवं निदेशक ध्वजारोहण करते हुए भा.र.ले.से. 2018 बैच के परिवीक्षाधीन और रा.र.वि.प्र.अ. के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह—15 अगस्त 2020

अकादमी मेस में जल-पान

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस कार्यालय में हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ दिनांक 01 सितंबर 2020 को करके दिनांक 14 सितंबर 2020 को हिन्दी दिवस का आयोजन कर हिन्दी पखवाड़ा - 2020 का समापन किया गया। इस दौरान निम्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया :-

1) हिन्दी कविता-पाठ प्रतियोगिता 2) हिन्दी पुस्तक-समीक्षा प्रतियोगिता 3) हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

4) हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता 5) हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता

मुख्यालय कार्यालय के संदर्भित पत्रांक के पैरा 02 के अनुसार कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों, मानक प्रचालन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों को यथासंभव ऑनलाइन तरीके से किया गया एवं उपर्युक्त प्रतियोगिताओं में कार्यालय में पदस्थापित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणरत भा.र.ले.से.(परिक्षविधीन) 2019 बैच के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। दिनांक 14.09.2020 को हिन्दी पखवाड़े का समापन किया गया।

हिन्दी दिवस-2020 के अवसर पर रक्षा लेखा महानियंत्रक महोदय के संदेश का वाचन श्री मुकेश कुमार झा, सहायक लेखा अधिकारी द्वारा किया गया।

निदेशक महोदय के करकमलों से उपरोक्त प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

निदेशक महोदय ने अपने अभिभाषण द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने के प्रति प्रेरित एवं उत्साहित किया।

अंततः निदेशक महोदय के अनुमोदन से कार्यक्रम का समापन श्री मुकेश कुमार झा, सहायक लेखा अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

हिन्दी कविता-पाठ प्रतियोगिता

हिन्दी पुस्तक-समीक्षा प्रतियोगिता

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता

हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह

पुरस्कार वितरण

श्री. मिहिर कुमार , भा.र.ले.से., रक्षा लेखा नियंत्रक एवं निदेशक प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कर वितरण किया ।

श्री . के वि एल अक्शय
भा . र . ले. से. (प)

श्री . विभोर खंडेलवाल
भा . र . ले. से. (प)

श्री अलोक कुमार तिवारी
भा . र . ले. से. (प)

श्री स्वपनिल हन्माने
भा . र . ले. से. (प)

श्रीमती नीला एस कुमार , स . नि .

श्री. के वि एस कुमार , ले . अ .

श्री. एम . के. झा ,स . ले . अ .

श्री. तपन कुमार साह ,स . ले . अ .

श्रीमती . रोहिणी प्रकाश , व .ले .प .

श्री. अभिषेक भट्टाचार्जि , व .ले .प .

श्री. मंतोश कुमार , व .ले .प .

श्री. विकास कुमार , ले .प .

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह

श्री. रहुल तेवतिया ,.ले .प .

श्री. अमित कुमार , ले .प .

श्री. अभिषेक कुमार , ले .प .

श्री. प्रदीप रिनावा , एम . टी . एस

श्री. विशाल कुमार , एम . टी . एस

श्री. मिहिर कुमार , भा.र.ले.से., रक्षा लेखा नियंत्रक एवं निदेशक पहिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह को अभिसम्बोधन करते हुए ।

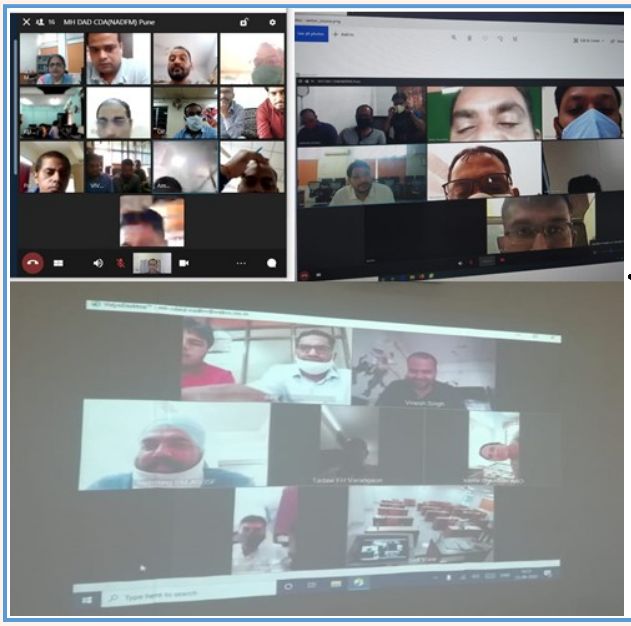

तिमाही में आयोजित किया गया प्रशिक्षण

विभागीय प्रशिक्षण—भा.र.ले.से. (प) 2019 बैच

फरीदाबाद में परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (पीटीसी) की समाप्ति पर 20 जुलाई 2020 को विभागीय प्रशिक्षण के लिए रिपोर्ट किया । कोविड-19 के वर्तमान रोकथाम के दिशा-निर्देशों के अनुसार परिवीक्षाधीन अधिकारियों को हॉस्टल के कमरे में 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन रखा गया था। क्वारंटाइन अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने अकादमी द्वारा विकसित ई-लर्निंग पोर्टल ज्ञानसुधा द्वारा 3 ऑनलाइन पाठ्यक्रमों आईएफए मॉड्यूल, रक्षा लेखा परीक्षा लेखा मॉड्यूल और डिफेंस अकाऊंटिंग मॉड्यूल में सफलतापूर्वक भाग लिया। परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने तीन ऑनलाइन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया जिनमें दो विश्व बैंक पाठ्यक्रम शामिल है जो कि Massive Open Online Courses (MOOC) के अंतर्गत है, इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्व बैंक ओपेन लर्निंग केंद्र(OLC) से लोक प्रापण, ठेका प्रबंधन एवं ई-प्रबंधन में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में भाग लिया।

क्वारंटाइन के पश्चात रक्षा लेखांकन मॉड्यूल(03.08.2020 से 07.08.2020 तक) के बाद रक्षा लेखापरीक्षा मॉड्यूल(10.08.2020 से 14.08.2020 तक), क्षेत्रीय नियंत्रक मॉड्यूल(17.08.2020 से 28.08.2020 तक), बिल और भुगतान मॉड्यूल(31.08.2020 से 01.09.2020 तक), वेतन लेखा कार्यालय मॉड्यूल(02.09.2020 से 04.09.2020 तक) और ट्यूलिप मॉड्यूल(07.09.2020 से 11.09.2020 तक) के साथ औपचारिक विभागीय प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। कक्षा सत्रों का संचालन निदेशक, संयुक्त निदेशक और स्टेशन में उपस्थित भा.र.ले.से. अधिकारियों द्वारा किया गया जिनमें श्री मयंक शर्मा, भा.र.ले.से., र.ले.प्र.नि.(द.क.) पुणे शामिल हैं जिन्होंने संचित लेखांकण पर दो सत्रों का संचालन किया। विभाग के वरिष्ठ भा.र.ले.से. अधिकारियों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ सत्रों का संचालन किया गया। इनमें श्री प्रवीण कुमार, भा.र.ले.से., व.सं.र.ले.म.नि.(प्रशा) एवं श्री ए. एम. खालको, भा.र.ले.से., र.ले.नि.(सी एस डी) मुंबई शामिल हैं। क्षेत्रीय नियंत्रक मॉड्यूल के नाम के रूप में परिवीक्षाधीन अधिकारियों को पाँच दिनों के लिए 24.08.2020 से 28.08.2020 तक र.ले.प्र.नि.(द.क.) पुणे में सम्बद्ध किया गया था। सम्बद्ध अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मुख्यालय कार्यालय के विविध अनुभागों में सम्बद्ध किया गया जहाँ उन्हें जीवंत मामलों को सुलझाने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रत्येक परिवीक्षाधीन अधिकारी को अध्ययन करने के लिए मामले (Case Study) दिये गए और उस पर अपनी अभ्युक्तियाँ देने को कहा गया जिसका मूल्यांकन वरिष्ठ भा.र.ले.से. अधिकारियों द्वारा किया गया।

विभागीय प्रशिक्षण—भा.र.ले.से. (प) 2019 बैच

14.09.2020 से 19.09.2020 तक र.ले.प्र.नि.(द.क.) पुणे और मुख्यालय(द.क.) पुणे में वित्तीय योजना मॉड्यूल को पहली बार आयोजित किया गया था। इस मॉड्यूल के अंतर्गत विविध स्तर पर वित्तीय योजनाओं से संबन्धित क्षेत्रों, बजटिंग, वित्त और लेखापरीक्षा की भूमिका शामिल है। सत्रों का संचालन र.ले.प्र.नि.(द.क.) पुणे और मुख्यालय(द.क.) पुणे के संकाय द्वारा किया गया । दिनांक 21.09.2020 से 03.10.2020 तक दस दिनों के लिए आयोजित आईएफए मॉड्यूल का संचालन वरिष्ठ भा.र.ले.से. अधिकारियों – श्री एस जी दस्तीदार, भा.र.ले.से., र.ले.प्र.नि. नई दिल्ली, श्री ZVS प्रसाद, भा.र.ले.से., र.ले.प्र.नि.(नेवी) मुंबई, श्री राकेश कुमार, भा.र.ले.से., ए.वि.प्र.स.(IDS & SFC) नई दिल्ली, श्री एस के सिंह, भा.र.ले.से., वित्त एवं लेखा नियंत्रक(नि.) खड़की, श्री टी राम बाबु, भा.र.ले.से., ए.वि.स.(R&D) MSS Cluster हैदराबाद, श्री हरिहर मिश्रा, IFA HQ TC(AF), बैंगलोर एवं श्री आनंद अग्रवाल, IFA HQ SWAC गांधीनगर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन सत्रों का संचालन किया।

रा.र.वि.प्र.अ. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण

राष्ट्रीय रक्षा वित्तीय प्रबंधन अकादमी पुणे के कैलेंडर के अनुसार 24.08.2020 से 28.08.2020 तक ज्ञानसुधा पोर्टल के द्वारा समूह "अ" के एम ई एस अधिकारियों के लिए पाँच दिनों का प्रवेश पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। 33 समूह "अ" के एम ई एस अधिकारियों ने उक्त पाठ्यक्रम में भाग लिया।

क्षे.प्र.के. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण

अनुमोदित ऑनलाइन पाठ्यक्रम कैलेंडर के अनुसार ज्ञानसुधा पोर्टल द्वारा इस तिमाही में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 9 पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया था।

तिमाही में आयोजित पाठ्यक्रम का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	अभियुक्तियाँ
1	वेतन नियतन पाठ्यक्रम	06.07.2020 से 07.07.2020 तक	21 प्रतिभगियाँ
2	एन पी एस पाठ्यक्रम	15.07.2020	22 प्रतिभगियाँ
3	आंतरिक लेख परीक्षा पाठ्यक्रम	20.07.2020 से 24.07.2020 तक	23 प्रतिभगियाँ
4	राजभाषा हिन्दी पाठ्यक्रम	03.08.2020	10 प्रतिभगियाँ
5	रक्षा लेखांकन प्रणाली पाठ्यक्रम	10.08.2020 से 14.08.2020 तक	18 प्रतिभगियाँ
6	टिप्पणी आलेखन पाठ्यक्रम	24.08.2020 से 14.08.2020 तक	21 प्रतिभगियाँ
7	परियोजना डॉल्फिन सहित वेतन लेखा कार्यालय की कार्य पर पाठ्यक्रम	02.09.2020 से 04.09.2020 तक	17 प्रतिभगियाँ
8	AO(GE) एवं AAO/BSO के कार्य पर पाठ्यक्रम	14.09.2020 से 18.09.2020 तक	14 प्रतिभगियाँ
9	व्यक्तिगत दावों की लेखापरीक्षा पर पाठ्यक्रम	21.09.2020 से 25.09.2020 तक	21 प्रतिभगियाँ

क्षे.प्र.के. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण

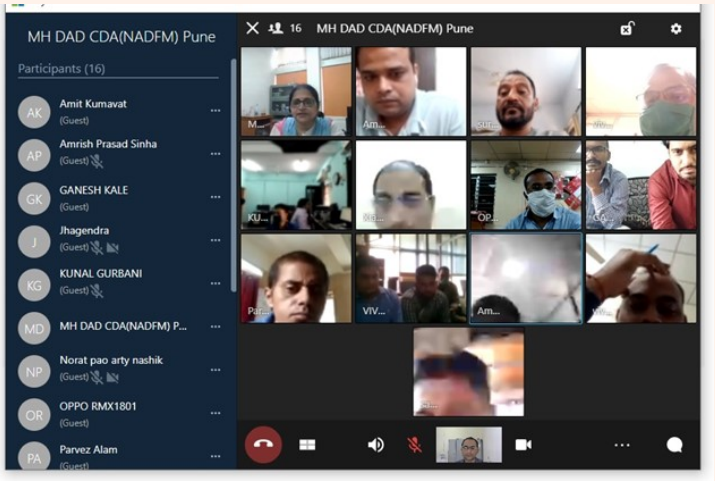

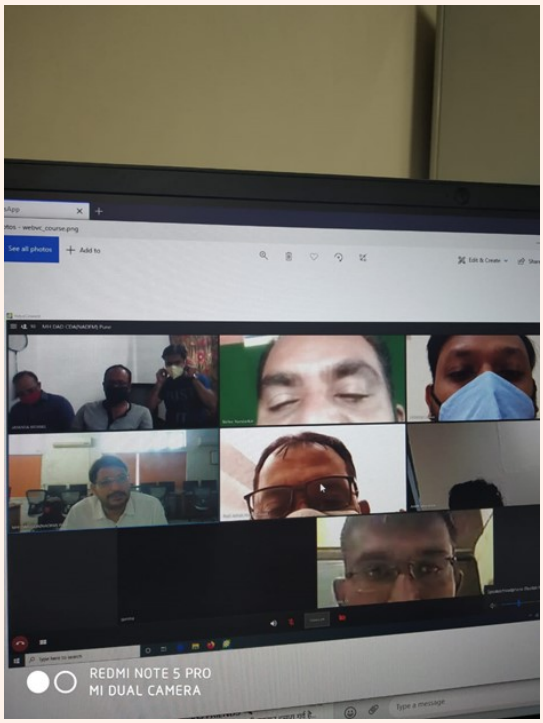

क्षे.प्र.के. द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण का स्क्रीनशॉट

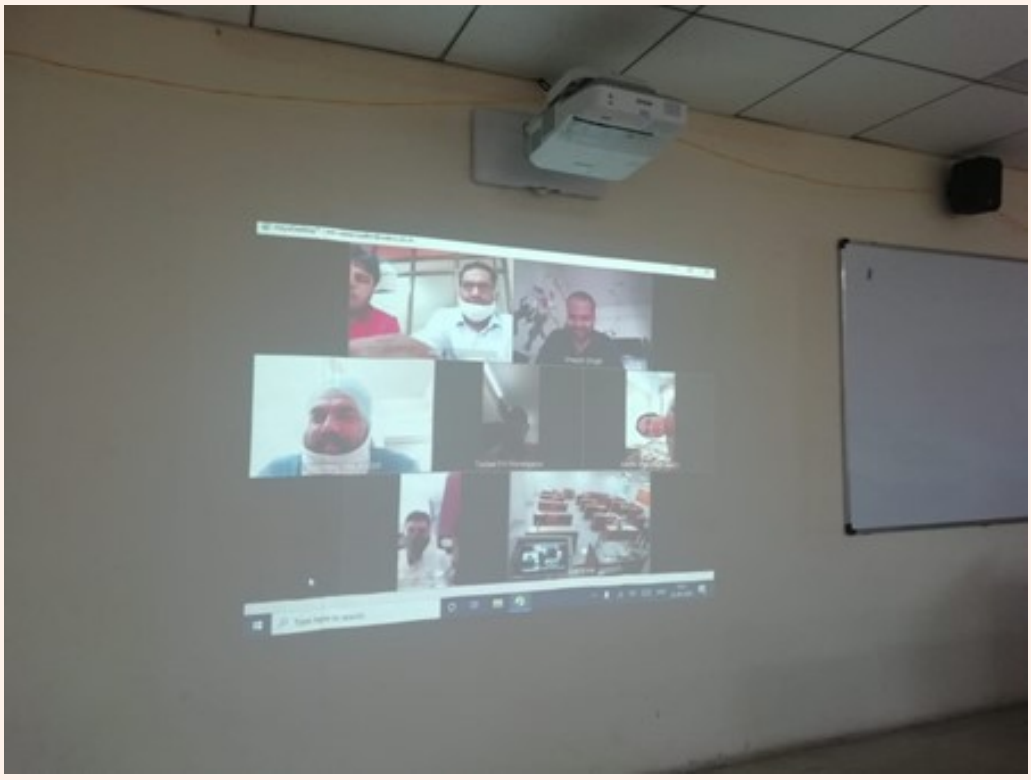

हजारों दोस्त बनाना कोई चमत्कार नहीं
है बल्कि चमत्कार
कविता
लेख
कथा
अधिकारी एवं
कर्मचारी गण के
रचनाएँ

iGOT 2.0

(Integrated Government Online Training)

भारत की नागरिक सेवाओं की क्षमता विकास के अद्वितीय चुनौतियों के लिए एक अद्वितीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सरकार का मानना है कि नई क्षमताओं को रेखांकित करने और प्रशिक्षण संस्थानों को मजबूत करने के लिए सीखने और क्षमता विकास को बदलने के लिए व्यापक स्तर पर पहल की आवश्यकता है। iGOT 2.0 में इस परिवर्तन के लिए डिजिटल बैकबोन बनाया गया है।

iGOT 2.0 एक शिक्षण मंच है जिसका उद्देश्य सिविल सेवा के बीच क्षमता विकास को बढ़ावा देना है। iGOT 2.0 केवल एक ऑनलाइन, फेस-टू-फेस और मिश्रित शिक्षण पोर्टल नहीं है। यह सिविल सेवाओं की सटीक सीखने की जरूरतों को पूरा करने के लिए 'उद्देश्य के लिए फिट' होने के लिए बनाया गया एक समाधान है। यह किसी भी अधिकारी के लिए निरंतर, घर्षण रहित, निर्देशित सीखने का वातावरण बनाता है, जहां वह अपने सीखने के अंतराल और समग्र विकास पर 24x7 दृश्यता रख सकता है। एक साझा शिक्षण वास्तुकला को सक्षम करने से, मंच अधिकारियों, विभागों, प्रबंधकों और प्रशिक्षण संस्थानों को उत्तोलन पाठ्यक्रम, अन्य शिक्षण संशाधनों और योग्यता परीक्षण व्यवस्था को पार करने की अनुमति देता है। जबकि iGOT 2.0 शिक्षार्थी को सीखने की जिम्मेदारी लाता है, यह उन तंत्रों को भी प्रदान करता है जिनके द्वारा विभाग और प्रबंधक अपनी क्षमता विकास यात्रा में अधिकारियों का मार्गदर्शन, निगरानी और मार्गदर्शन कर सकते हैं।

मौजूदा प्रशिक्षण संस्थान, राज्य सरकारें, विभाग और व्यक्तिगत अधिकारी इस मंच पर व्यक्तिगत, कक्षा, फ्लिप और ऑन द जॉब प्रशिक्षण के लिए उपयोग और निर्माण करेंगे। जबकि iGOT 2.0 प्रौद्योगिकी का उपयोग करके क्षमता निर्माण को बदलने का इरादा रखता है, Cadre Controlling Authorities (CCAs) और उनके प्रशिक्षण संस्थानों के नेतृत्व में फेस-टू-फेस, कक्षा-आधारित क्षमता निर्माण पहल की भूमिका को कम करने का कोई इरादा नहीं है। iGOT 2.0 का इस्तेमाल मौजूदा क्लासरूम-आधारित कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है, जिसमें फ्लिप की गई कक्षा और ऑनलाइन, आमने-सामने और मिश्रित पाठ्यक्रमों जैसे शैक्षणिक नवीनता को लाया जा सकता है।

iGOT 2.0 सभी मंत्रालयों, विभागों, राज्यों और संगठनों में सामान्य शिक्षण मंच होगा और सरकार, ऑनलाइन, मिश्रित या फेस-टू-फेस के सभी प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण की पहल का भंडार होगा। IGOT 2.0 पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम किसी भी संवर्ग या राज्य तक सीमित नहीं होंगे और उपयोगकर्ता अपने विभाग या रैंक के बावजूद और किसी से अनुमति के बिना, मंच पर किसी भी पाठ्यक्रम के खिलाफ देख और नामांकन कर सकते हैं। उपयोगकर्ताओं के पास सभी विभागों, प्रशिक्षण संस्थानों और प्रदाताओं के आमने-सामने पाठ्यक्रमों की दृश्यता भी होगी और अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए अनुमोदन के अधीन ऐसे पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं। मंच पर विभिन्न सेवाओं जैसे पाठ्यक्रम, मॉड्यूल, आइटम, आकलन आदि विभिन्न हितधारकों (नागरिक सेवाओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों, विभागों, राज्यों, सीटीआई, सभी प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) निजी सामग्री प्रदाताओं आदि) द्वारा मंच पर बनाए जाएंगे। और सभी के लिए उपलब्ध होगा, इस प्रकार सह-निर्माण और सह-स्वामित्व के एक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करना जिससे सिलोस को समाप्त किया जा सके।

सुरेष कुमार मेनोन के., व.ले.अ.(प्रशि.)

ज्यादा जानकारी के लिये : https://iipa.org.in/wp-content/uploads/2020/07/iGOT.pdf

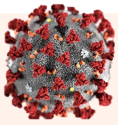

यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!

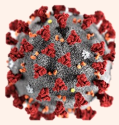

यहां-वहां, इधर-उधर एक ही सवाल है
बेमौत मर गए लाखों, हुआ बुरा हाल है
किसी को खबर ही नहीं, किसकी यह चाल है
यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!!

सालों में यह साल आया, जो न किसी को भाया
उठ गया सर से साया, किसी को मिली न छाया
प्रकृति ने हम पर फेंका, कैसा यह जाल है
यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!!

मर्ज की दवा नहीं है, मरीज भी बेहाल है
टेंट भी भरे हुए हैं, न मिलता अस्पताल है
यह रोग ऐसा जिसका कोई न इलाज है
यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!!

संकेतों में बातें करते फिल्मी दुनिया वाले
दुनिया इन्हें समझती थी, समाज के रखवाले
यदि जरूरत किसी चीज की कहते कहां माल है,
यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!!

साल के जाने से पहले, देखो कैसा हाल है
अब तो पूरी दुनिया में हो रहा बवाल है
कोई किसी की नहीं सुनता, सबका यही हाल है
ऐसे में यमराज का फुला हुआ गाल है
यह कैसा साल है जीना मुहाल है!!

यह साल ऐसे है गुजरा, सुख-चैन सब छीना
इस दुनिया में सबका इसने मुश्किल कर दिया जीना
आसमान में उड़ने वाले.. रोटी का सवाल है
यह कैसा साल है, जीना मुहाल है !!

नहीं हुआ है अभी अंधेरा, दिल में दीप जला लो
जो भी मुश्किल आन पड़ी है, मिलकर उसे संभालो
हौसला रखने वाला ही तो, करता कमाल है
यह कैसा साल है, जीना मुहाल है!!

(कविता के रचयिता:- श्री बिपिन कुमार)
मंतोष कुमार
व.ले.प./8347491 द्वारा संकलित

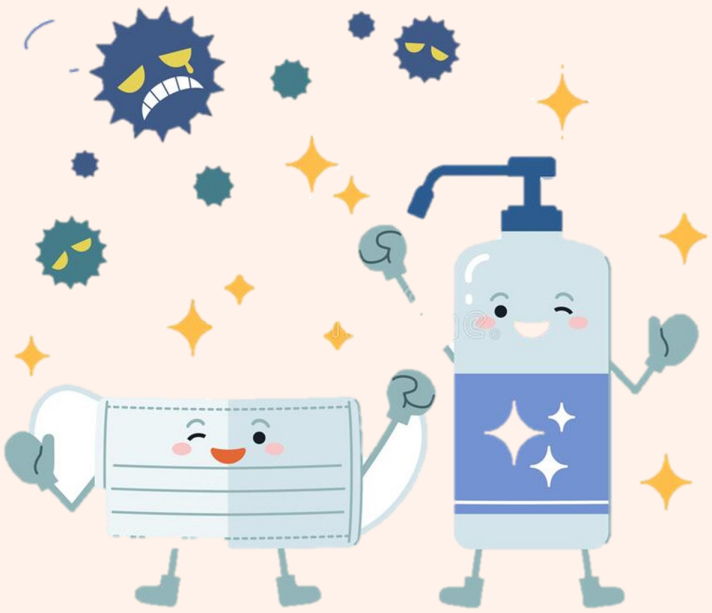

2020

दिवाली

यह कविता आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की है और दीपावली का इससे बेहतर परिचय नहीं दी जा सकती है।

जब मन में हो मौज बहारों की
चमकाएँ चमक सितारों की,
जब ख़ुशियों के शुभ घेरे हों
तन्हाई में भी मेले हों,
आनंद की आभा होती है
उस रोज़ दिवाली होती है।

जब प्रेम के दीपक जलते हों
सपने जब सच में बदलते हों,
मन में हो मधुरता भावों की
जब लहके फ़सलें चावों की,
उत्साह की आभा होती है
उस रोज़ दिवाली होती है।

जब प्रेम से मीत बुलाते हों
दुश्मन भी गले लगाते हों,
जब कहीं किसी से वैर न हो
सब अपने हों, कोई ग़ैर न हो,
अपनत्व की आभा होती है
उस रोज़ दिवाली होती है।

जब तन-मन-जीवन सज जाएं
सद्-भाव के बाजे बज जाएं,
महकाए ख़ुशबू ख़ुशियों की
मुस्काएं चंदनिया सुधियों की,
तृप्ति की आभा होती है
उस रोज़ दिवाली होती है .।

टी.रोहिणी प्रकाश, व.ले.प द्वारा संकलित

रसगुल्ला

रसगुल्ला कोलकाता की प्रसिद्ध मिठाई है। रसगुल्ले का नाम सुनकर सभी के मुँह में पानी भर आता है। रसगुल्ले को मिठाइयों का राजा कहा जा सकता है। यह तो आप जानते ही होगें कि रसगुल्ला एक बंगाली मिठाई है। बंगाली लोग रसगुल्ला को रोशोगुल्ला कहते हैं।

रसगुल्ले के जन्म के बारे में एक 'रोचक कथा' है जो इस प्रकार है:-

बात सन् 1858 ई. की है। कोलकाता (उन दिनों-कलकत्ता) में सुतापुट्टी के समीप एक हलवाई की दुकान पर नवीनचंद्र दास नाम का एक लड़का काम करता था। चार-पाँच वर्षों तक जब मालिक ने नवीनचंद्र का वेतन नहीं बढ़ाया तो उसने नौकरी छोड़ दी। फिर नवीनचंद्र ने कोलकाता के एक सुनसान से इलाके कालीघाट में अपनी ही दुकान खोल ली। सुनसान इलाके के कारण दुकान में बिक्री अधिक नहीं होती थी। दुकान में अक्सर छेना बच जाता था। नवीनचंद्र उस छेने के गोले बनाकर चाशनी में पका लेता। लेकिन उसकी यह मिठाई बिकती नहीं थी। नवीन यह मिठाई अपने दोस्तों को मुफ़्त में खिला देता। अपनी पसंद की मिठाई के न बिकने के कारण वह दुखी भी होता।

बात सन् 1866 ई. की है। एक दिन उसकी दुकान के सामने एक सेठ की बग्घी आकर रुकी। सेठ का नौकर दुकान पर आया और बोला, 'छोटे बच्चों के लिए कोई नर्म-सी मिठाई दे दो।' नाम लेकर तो मिठाई माँगी नहीं गई थी, इसलिए नवीनचंद्र ने उसे अपनी वही मिठाई दे दी। बच्चों को मिठाई बहुत पसंद आई। वे मिठाई खाकर बहुत खुश हुए। उन्होंने वही मिठाई और मँगवाई। सेठ की भी इच्छा हुई कि इस नई मिठाई का नाम जाना जाए, जिसे बच्चों ने इतना पसंद किया है। नौकर ने आकर नवीनचंद्र से मिठाई का नाम पूछा तो वह घबरा गया। रस में गोला डालकर बनाता था मिठाई, इसलिए कह दिया, रस-गोला। नौकर ने कहा, 'सेठ जी अभी अपने बाग़ में जा रहे हैं, वापसी पर एक हांडी रस-गोला घर ले जाएँगे, तैयार रखना।

नवीनचंद्र दास रस-गोले की पहली बिक्री से बहुत प्रसन्न था। रस-गोले के पहले ग्राहक भारत के बहुत बड़े व्यापारी थे, नाम था भगवान दास बागला। इतने बड़े व्यापारी के ग्राहक बन जाने से 'रस-गोला' की बिक्री तेजी से बढ़ने लगी। केसर की भीनी-भीनी खुशबू वाला रस-गोला तो लोगों को बहुत भाया। समय के साथ 'रस-गोला' का नाम बिगड़कर रसगुल्ला हो गया। इसमें बहुत कुछ नया भी हुआ।

अभिषेक भट्टाचार्य, व.ले.प./8347360

भारत में हॉकी की स्थिति

एक वो दौर था जब भारत ने हॉकी के कारण खेल जगत में अपनी छाप बनाई, किंतु एक आज का दौर है जब हॉकी भारत में ही अपना स्थान खोती जा रही है। लाठी (स्टिक) और गेंद से खेली जाने वाली हॉकी, उन खेलों में से है जिनका उद्भव प्राचीन सभ्यताओं से हुआ था। आधुनिक हॉकी अट्ठाहरवीं सदी में अस्तित्व में आयी तथा उन्नीसवीं सदी में इसने अपना वर्तमान स्वरूप धारण किया तथा विश्व स्तर पर इस खेल को स्थान मिला, 1928 से 1956 के मध्य होने वाले ओलंपिक खेल में भारत ने हॉकी में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया तथा लगातार स्वर्ण पदक हासिल किये। जिस कारण हॉकी भारत के राष्ट्रीय खेल के नाम से जानी जाने लगी, इस दौर को भारत की हॉकी का स्वर्ण भी कहा जाता है। किंतु एक रोचक तथ्य यह भी है कि भारत ने कभी अधिकारिक रूप से हॉकी को राष्ट्रीय खेल घोषित ही नहीं किया है।

मैदानी हॉकी का उद्भव मध्यकाल में स्कॉटलैण्ड, नीदरलैण्ड और इंग्लैण्ड में माना जाता है। जिसे घास के मैदान या कृत्रिम मैदान में खेला जा सकता है। प्रत्येक टीम में गोलकीपर सहित ग्यारह खिलाड़ी होते हैं। खिलाड़ी लकड़ी अथवा फायबर (काँच) की बनी स्टिक के माध्यम से रबर की गेंद से खेलते हैं। स्टिक की लंबाई खिलाड़ी की व्यक्तिगत लम्बाई पर निर्भर करती है। मैदानी हॉकी में बायें हाथ की कोई स्टिक नहीं होती और स्टिक के एक ओर से ही प्रहार किया जा सकता है।

भारत की पुरुष हॉकी टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) का हिस्सा बनने वाली पहली गैर-यूरोपीय टीम थी और 1928 में इस टीम ने अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। भारत ने 1956 ओलंपिक खेलों त अपना प्रभुत्व जारी रखा और इस दौरान लगातार छह स्वर्ण पदक जीते थे। ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम भी सबसे सफल टीम है क्योंकि उन्होंने अभी तक आठ स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं। वर्ष 2018 का पुरुष हॉकी विश्वकप भारत (उड़ीसा) में आयोजित किया गया था, जिसमें बेल्जियम ने नीदरलैंड को हराकर विजय हासिल की।

वर्ष 2018 में उड़ीसा के मुख्य मंत्री ने प्रधानमंत्री से मैदानी हॉकी को भारत का राष्ट्रीय खेल घोषित करने का अनुग्रह किया। जिसमें भारत की ओर से दो टीमें भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम और भारत की महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम को सन्दर्भित करती है। भारत में मैदानी हॉकी की स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से भारतीय ओलंपिक संघ ने एक नये पांच सदस्य राष्ट्रीय चयन समिति नियुक्त की है। यह पैनल भारत के लिए मैदानी हॉकी का प्रबंध करने वाली अंतर्राष्ट्रीय हॉकी फेडरेशन के साथ संयोजन में कार्य करेगा। वर्तमान में श्री मनप्रीत सिंह राष्ट्रीय टीम के कप्तान है। श्री ग्राहम रेड हॉकी टीम इंडिया के मुख्य कोच है तथा श्री शिवेन्द्र सिंह एवं पियूष कुमार दुबे कोच है। हॉकी इंडिया के नव निर्वाचित प्रेसीडेंट श्री ज्ञानेंडरो निनगोमबं, सेक्रेटरी जनरल श्री राजिंदर सिंह एवं ट्रेजरर श्री तपन कुमार दास हैं ।

तपन कुमार साह, स.ले.अ.

(लेखक राष्ट्रीय स्तर का हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं)